This question paper contains 2 printed pages.

Roll No. | | | | | | | | | | | | |

Sr. No. of Question Paper: 6377

E

Unique Paper Code :

Name of Paper: Sanskrit/ Paper-I (Poetry) (OC)

Name of Course : B.A. (Hon.)/I

Duration : 3 Hrs. Maximum Marks :100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper).

(इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्न–पत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

All Questions are compulsory.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* का अनुवाद कीजिए : 6x2=12

Translate any **two** of the following:

(a) वैदेही पश्यामलयाद्विभक्तं मत्सेतुना फेनिलमम्बुराशिम् ।
छायापथेनेव शरत्प्रसन्नमाकाशमाविष्कृतचारुताम् ।।

(b) प्रवृत्तमात्रेण पयांसि पातुमावर्तवेगाद्भ्रमता घनेन।
आभाति भूयिष्ठमयं समुद्रः प्रमथ्यमानो गिरिणेव भूयः ।।

(c) पित्रा विसृष्टां मदपेक्षया यः श्रियं युवाप्यङ्कगतामभोक्ता ।
इयन्ति वर्षाणि तया सहोग्रमभ्यस्यतीव व्रतमासिधारम् ।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* की व्याख्या कीजिए : 6x2=12

Explain any **two** of the following:

(a) इति ध्रुवेच्छामनुशासती सुतां
शशाक मेना न नियन्तुमुद्यमात् ।
क ईप्सितार्थस्थिरनिश्चयं मनः
पयश्च निम्नाभिमुखं प्रतीपयेत् ।।

(b) प्रयुक्तसत्कारविशेषमात्मना
न मां परं सम्प्रतिपत्तुमर्हसि।
यतः सतां सन्नतगात्रि सङ्गतं
मनीषिभिः साप्तपदीनमुच्यते।।

(c) अलं विवादेन यथा श्रुतस्त्वया
तथाविधस्तावदशेषमस्तु सः।
ममात्र भावैकरसं मनः स्थितं
न कामवृत्तिर्वचनीयमीक्षते ।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* की व्याख्या कीजिए: 6x2=12

Explain any **two** of the following:

(क) सत्यानृता च परुषा प्रियवादिनी च हिंसा दयालुरपि चार्थपरा वदान्या ।
नित्यव्यया प्रचुरनित्यधनागमा च वाराङ्गनेव नृपनीतिरनेकरूपा ।।

(ख) अम्भोजिनीवनविहारविलासमेव हंसस्य हन्ति नितरां कुपितो विधाता।
न त्वस्य दुग्धजलभेदविधौ प्रसिद्धां वैदग्ध्यकीर्तिमपहर्तुमसौ समर्थः ।।

(ग) यद् धात्रा निजभालपट्टलिखितं स्तोकं महद् वा धनम्
तत्प्राप्नोति मरुत्स्थलेऽपि नितरां मेरौ ततो नाधिकम् ।
तद्धीरो भव वित्तवत्सु कृपणां वृतिं वृथा मा कृथाः
कूपे पश्य पयोनिधावपि घटो गृह्णाति तुल्यं जलम्।।

4. भाग 'क' अथवा भाग 'ख' में से किन्हीं *दो* का अनुवाद कीजिए। 6x2=12
Translate any **two** either from Part A or Part B

भाग क / Part A

अ) रूपेण चात्यन्तमनोहरेण रूपानुरूपेण च चेष्टितेन ।
मनुष्यलोके हि तदा बभूव सा सुन्दरी स्त्रीषु नरेषु नन्दः।।

आ) सा तेन चेष्टाललितेन भर्तुः शाठ्येन चान्तर्मनसा जहास ।
भवेच्च रुष्टा किल नाम तस्मै ललाटजिह्मां भृकुटिं चकार ।।

इ) तं गौरवं बुद्धगतं प्रकर्ष भार्यानुरागः पुनराचकर्ष ।
सोऽनिश्चयन्नापि ययौ तस्थौ तरंस्तरंगेष्विव राजहंसः ।।

भाग ख / Part B

अ) अथो महद्भिः पथि सम्पतद्भिः सम्पूज्यमानाय तथागताय।
कर्तुं प्रणामं न शशाक नन्दस्तेनाभिरेमे तु गुरोर्महिम्ना।।

आ) भार्यानुरागेण यदा गृहं स पात्रं गृहीत्वापि यियासुरेव।
विमोहयामास मुनिस्ततस्तं रथ्यामुखस्यावरणेन तस्य।।

इ) अथो नतं तस्य मुखं सवाष्पं प्रवास्यमानेषु शिरोरुहेषु ।
वक्त्राग्रनालं नलिनं तडागे वर्षोदकक्लिन्नमिवाबभासे।।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 6x2=12
Explain with reference to context any **two** of the following:

(क) क्रियासु युक्तैर्नृप चारचक्षुषो न वञ्चनीयाः प्रभवोऽनुजीविभिः ।
अतोऽर्हसि क्षन्तुमसाधु साधु वा हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः ।।

(ख) विधाय रक्षान्परितः परेतरान् अशङ्कितोकारमुपैति शङ्कितः।
क्रियापवर्गेष्वनुजिविसात्कृताः कृतज्ञतामस्य वदन्ति सम्पदः ।।

(ग) प्रलीनभूपालमपि स्थिरायति प्रशासदावारिधि मण्डलं भुवः ।
स चिन्तयत्येव मियस्त्वदेष्यतीरहो दुरन्ता बलवद् विरोधिता ।।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं *पाँच* पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए: 5x1=5
Write grammatical notes on any **five** of the following:
उच्यते, नियन्तुम्, मनीषिभिः, प्राप्नोति, क्रियासु, वदन्ति, विधाय, विवादेन

7. किन्हीं *पाँच* प्रश्नों के उत्तर केवल संस्कृत में दीजिए: 5x1=5
Answer any **five** questions only in Sanskrit:

(i) सेतुना कं विमक्तम् ?
(ii) कः गिरिणा प्रमथ्यमान इव आभाति ?
(iii) पार्वतीं मेना किं करोति ?
(iv) मनीषिभिः सतां संगतं किमुच्यते ?
(v) कः किंसखा भवति ?
(vi) नृपनीतिः कीदृशी भवति?
(vii) कस्य कृतज्ञतां वदन्ति सम्पदः?

8. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों का उत्तर दीजिए: 10x3=30
Answer any **three** of the following:

(i) 'उपमा कालिदासस्य' पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।
Write a short essay on 'उपमा कालिदासस्य'

(ii) 'सौन्दरानन्दम्' के पञ्चम् सर्ग का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
Give in your words the summary of 5th conto of Saundaranandam.

(iii) किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के आधार पर दुर्योधन की शासनव्यवस्था का वर्णन कीजिए।
Describe Duryodhana's administration on the basis of the first canto of Kiratarjuniyam.

(iv) नीतिशतक के अनुसार दैवतपद्धति पर टिप्पणी लिखिए।
Write a note on the ways of luck of Nitishataka.

(v) रघुवंशम के तेरहवें सर्ग का सारांश लिखिए।
Write the summary of 13th Canto of Raghuvansham.